बीएसईएस व दिल्ली पुलिस की टीम पर हमला, तीन बिजलीकर्मी व एक सब–इंस्पेक्टर घायल

नई दिल्लीः 30 जून, 2017। बिजली संबंधी जांच के लिए गई बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड की टीम पर मुंडका के पास रनहौला गांव में असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया, जिसमें बीएसईएस के तीन अधिकारी और दिल्ली पुलिस का एक सब–इंस्पेक्टर घायल हो गए। हालांकि, बीएसईएस टीम के साथ 20 पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, लेकिन इसके बावजूद भीड़ ने हमला कर दिया। उल्लेखनीय है कि इस इलाके में बिजली की बड़ी पैमाने पर चोरी होती है।

दसअसल, तीन महिला सुरक्षा गार्ड समेत बीएसईएस की 15 सदस्यीय टीम इस इलाके में बिजली चोरी पर नियंत्रण लाने के कार्य को अंजाम दे रही थी। उसी वक्त बिजली चोरी पर काबू पाने के प्रयास को विफल करने के उद्देश्य से लोगों की भीड़ वहां इकट्ठी हो गई और वे बीएसईएस टीम और दिल्ली पुलिस कर्मियों पर पत्थर फेंकने लगे। इसमें बीएसईएस के तीन अधिकारी और दिल्ली पुलिस का एक सब–इंस्पेक्टर घायल हो गए और कई गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस ने एक एफआईआर दर्ज की और दो ग्रामीणों को गिरफ्तार भी कर लिया।

बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के बीएसईएस के तामाम प्रयासों के बावजूद रनहौला में 40 प्रतिशत के करीब लॉस हो रहा है। यह लॉस मुख्य तौर पर बिजली चोरी की वजह से हो रहा है। इस इलाके में पिछले दो वर्षों के दौरान बिजली चोरी के 450 मामले पकड़े गए हैं, जिनमें लगभग 1200 किलोवॉट बिजली की चोरी पकड़ में आई है।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, हमले की यह कोई अकेली घटना नहीं है। कई बार ऐसा हुआ है कि जब अनिमितताओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से कार्य करने गई टीम पर असामाजिक तत्वों ने हमला किया है। जब भी कभी टीम इन इलाकों में जाती है, ये तत्व उनका घेराव करते हैं और अधिकारियों के कार्य में बाधा पहुंचाते हैं।

प्रमुख बिजली वितरण कंवनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।